

पाटन स्त्री. (तत्.) 1. पाटने की क्रिया या भाव, पटाव 2. जो कुछ पाटकर बनाया जाय जैसे-कच्ची-पक्की छत।

पाटन क्रिया स्त्री. (तत्.) शल्यक्रिया, घाव आदि चीरना।

पाटना स.क्रि. (देश.) 1. किसी नीचे स्थान, गड्ढे आदि को आस-पास की धरती के बराबर कर देना 2. किसी गहराई, गड्ढे को मिट्टी, कूड़े आदि से भर देना 3. तृप्त करना, सींचना।

पाटनीय वि. (तत्.) चीरने-पाटने योग्य।

पाटमहिषी स्त्री. (तत्.) राजा के साथ सिंहासन पर बैठ सकने वाली रानी, पटरानी, प्रधान रानी।

पाटल पुं. (तत्.) 1. पाडर का पेड़ जिसके पत्ते बेल के समान होते हैं "भौर रहे भनाय पुहुप पाटल के महकत" और दो रंगों (लाल और सफेद) के फूल लगते हैं 2. पाटल का फूल 3. गुलाबी रंग (सफेदी लिए लाल रंग) 4. एक प्रकार का धान 5. केशर 6. गुलाब का फूल 7. एक प्रकार का बरसाती धान 8. लाल लोध 9. जल कुंभी 10. दुर्गा का एक रूप पुं. (देश.) एक प्रकार का बढिया पर सस्ता-सोना जो भारत में शुद्ध करके काम में लाया जाता है वि. (तत्.) ललाई लिए श्वेत वर्ण का अर्थात् गुलाबी वर्ण वाला, गुलाब संबंधी।

पाटलावती स्त्री. (तत्.) 1. दुर्गा 2. प्राचीन काल की एक नदी।

पाटलि स्त्री. (तत्.) 1. पाडर का वृक्ष 2. पांडुकली।

पाटलिक पुं. (तत्.) 1. विद्यार्थी, छात्र, शिष्य 2. पाटलिपुत्र वि. (तत्.) 1. दूसरों के भेद या गुप्त बातों को जानने वाला 2. देशकाल का ज्ञाता।

पाटलित वि. (तत्.) लालिमा युक्त, लाल किया हुआ या रंगा हुआ।

पाटलिमा स्त्री. (तत्.) पाटल वर्ण या गुलाबी रंग की आभा।

पाटली स्त्री. (तत्.) 1. पाटिल, पाडर, पाढर 2. पांडुफली 3. पटना नगर की अधिष्ठात्री देवी 4. विश्वामित्र की बहन जिसके अनुरोध से कौंडिन्य

ऋषि ने पाटिलपुत्र बसाया था स्त्री. (देश.) बहुत छेदों वाली लकड़ी की बल्ली जिसके प्रत्येक छेद में से मस्तूल (बड़ी नाव का बीचवाला पाल बाँधने का लट्ठा) की एक-एक रस्सी निकाली जाती है और जिससे रात में किसी विशेष रस्सी को अलग करने में कठिनाई नहीं होती (समुद्री जहाज से संबद्ध)।

पाटलोपल पुं. (तत्.) 1. लाल रत्न या मणि जिसका लाल रंग सफेदी लिए होता है।

पाटल्या स्त्री. (तत्.) पाटल-पुष्पों का समूह।

पाटव पुं. (तत्.) 1. पटुता, चतुराई, कुशलता, दक्षता, कौशल, चालाकी 2. दृढ़ता, मजबूती, पक्कापन 3. आरोग्य 4. स्फूर्ति, उत्साह 5. तीव्रता, शीघ्रता 6. तीक्ष्णता।

पाटविक वि. (तत्.) 1. दक्ष, पटु, कुशल 2. धूर्त, मक्कार, चालाक।

पाटवी वि. (देश.) 1. पटरानी से उत्पन्न राजकुमार 2. रेशम से बना हुआ वस्त्र, रेशमी कौशेय 3. वरिष्ठ, श्रेष्ठ, ज्येष्ठ, पट्ट अधिकारी, प्रधान, बड़ा।

पाटसन पुं. (देश.) पटसन, पटुआ।

पाटहिक पुं. (तत्.) लड़ाई आदि के समय बड़ा ढोल (पटह) या नगाड़ा बजाने वाला।

पाटहिका स्त्री. (तत्.) गुंजा, घुंघुची।

पाटा पुं. (देश.) 1. पीढ़ा, पत्थर या काठ का वह बड़ा टुकड़ा जो बैठने अथवा धोबी के कपड़े धोने के काम आता है 2. दो दीवारों के बीच में बाँस, बल्ली, कड़ी या पटरा आदि जड़कर बनाया गया आधार स्थान जिस पर चीजें रखते हैं, दासा 3. आड़ के लिए हाथ-डेढ़-हाथ ऊँची दीवार जो रसोईघर में चौंके के सामने और बगल में बनाई जाती है जिससे बाहर बैठकर खाने वाले पकाने वाली स्त्री को न देख सकें 4. दे. पाट 5. परंपरा, सिलसिला मुहा. पीढ़ा बदलना- वर कन्या को विवाह के समय एक दूसरे के पीढ़े पर बैठाना।

पाटित वि. (तत्.) 1. काटा या फाड़ा हुआ 2. विदारित।